सरकारी संस्कृति स्कूल सेक्टर-7 एवं मोहदिनीपुर स्कूल में 20 बेंच भेंट किये

करनाल रोटरी क्लब करनाल मिडटाउन की ओर से सरकारी संस्कृति स्कूल सेक्टर 7 एवं मोहदिनीपुर स्कूल में 20 बेंच भेंट की। इन बैन्चों से बच्चे को बैठने के लिए अच्छी व्यवस्था हो जायेगी। क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अवतार सिंह व सचिव रोटेरियन मेजर अरूण घई ने कहा कि रोटरी इंटरनेशनल प्रोजेक्ट वॉश इन स्कूलस के तहत यह नेक कार्य किया। इससे पहले छात्राओं को बैठने की अच्छी व्यवस्था नहीं थी स्कूल की तरफ से ये डिमांड थी की बच्चो के लिए व्यवस्था करवाई जाये। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वह अपने वातावरण को साफ एवं स्वच्छ रखे। आज प्रोजेक्ट्स के तहत एम् डी डी बाल भवन , अपना आशियाना , एवं राधा कृष्ण गोशाला में तीनो संस्थाओं में 31000 रुपये की राशि भी दान की। दोनों संस्थाओ ही करनाल शहर में अपने स्तर पर सेवाएं दे रहे है, बच्चो के लिए आहार एवं खाने के अच्छी व्यवस्था के लिए एम् डी डी बाल भवन में प्रबंध किया जायेगा। अपना आशियाना आश्रम में कुष्ठ रोगियों की सेवा के लिए इस राशि को उपयोग में लाया जाएगा। वही गोमाता की सेवा ही हम सब का परम धर्म है गोचरे के लिए इस राशि को प्रयोग में लाया जायेगा । तीनो संस्थाओ की तरफ से रोटरी क्लब मिडटाउन का धन्यवाद किया गया। इस मौके पर क्लब की ओर से अध्यक्ष अवतार सिंह, सचिव मेजर अरूण घई, भूतपूर्व प्रधान सुभाष नारंग, प्रोजेक्ट डायरेक्टर नूतन नारंग, मनोज अरोड़ा, ऐनी सुचेता बत्रा, नूतन नारंग, ऐनी किरण खुराना , कृष्ण गंभीर, उमा गंभीर, गौरव राजिंदर कपूर, सुमन कपूर, अर्चना घरी व स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। दानवीरों ने दान किया अच्छी बात है लेकिन सवाल यह पैदा होता है कि सरकारी पैसा कौन डकार रहा है।

जल है तो कल है, जल की बर्बादी भविष्य के लिए संकट : अमित कौशिक, आई.ई.सी विशेषज्ञ

करनाल : अटल भू-जल योजना के अंतर्गत जल के दोहन को रोकने तथा जल बचाव हेतू विशेषज्ञों की टीम ने शुक्रवार को खण्ड करनाल की ग्राम-पचांयत सलारू में किसानों की बैठक ली। इस दौरान आई.ई.सी विशेषज्ञ अमित कौशिक ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि फसल में ज्यादा जल के उपयोग से भी फसल की पैदावार कम होती है। काफी किसानों के मन में भ्रांति है कि ज्यादा जल के देने से फसल पैदावार में वृद्धि होती है यदि ऐसा होता तो इस सत्र के मानसून में किसानों की फसले बर्बाद नहीं होती।

अमित कौशिक ने बताया कि अब की बार धान की फसल को ज्यादा बारिश होने के कारण किसानों को दोबारा से रोपित करना पडा। ज्यादा जल के इस्तेमाल से फसल के नुकसान के साथ-साथ जल का भी दोहन होता है।

इस अवसर पर भू-जल विशेषज्ञ शुभम अग्रवाल ने कहा यदि हम अपने दैनिक व्यवहार में जल बचाव की आदत को इस्तेमाल में लाएं तो हम रोजाना कंई हजारों टन पानी बर्बाद होने से बचा सकते है।

इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण पूर्णचन्द सैनी, धर्मपाल, सुरेन्द्र, मोहन सिंह, मुख्तयार सिंह, जिला राम, गुरमुख सिंह, छबेग सिंह इत्यादि किसान मौजूद रहे।

नपा सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर किया रोष प्रदर्शन

करनाल। शहर के नगरपालिका कार्यालय के सामने नपा सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। जिसकी अध्यक्षता नपा सफाई कर्मचारी निसिंग प्रधान इंद्र व सचिव रामप्रताप ने की। प्रधान इंद्र ने कहा कि सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के कारण सफाई कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने ने बताया कि सरकार ठेका प्रथा बंद करें व सरकार द्वारा सफाई कर्मचारियों के साथ जो समझौता किया गया था उसे जल्द लागू किया जाए और पंजाब के सफाई कर्मचारियों के समान वेतन दिया जाए। कच्चे कर्मचारियों को जल्द पक्का किया जाए, कर्मचारियों का शोषण बंद किया जाए। दुर्घटना बीमा 10 लाख रूपए किया जाए व कैशलेस मेडिकल सुविधा लागू करने के साथ साथ कर्मचारियों के मेडिकल कार्ड बनाएं जाए और इसके साथ ही कर्मचारियों की सभी मांगे सरकार जल्द लागू करें। इस मौके पर कमल, संजीव कुमार ,सनी ,राजू,,दीपक कुमार ,सुनीता देवी ,रोशनी व विद्या,विजय, रामप्रताप सहित अन्य मौजूद रहे।

ऑक्सीजन की कमी से मौत के बारे में सरकार ने बोला अमानवीय झूठ - दीपेंद्र हुड्डा

करनाल : अगर सरकार ऑक्सीजन की खातिर गुहार लगाते लोगों के सत्य और उनकी पीड़ा को जानना चाहती है तो मैं अपनी कॉल डिटेल देने को तैयार हूं। ये कहना है राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का। सांसद दीपेंद्र ने कहा है कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान लोग नेताओं, अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से ऑक्सीजन के लिए लगातार गुहार लगा रहे थे। वो खुद और उनकी पूरी टीम हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ में ऐसे लोगों को मदद पहुंचाने में जुटे थे। दिन-रात, 24 घंटे लोग फोन और सोशल मीडिया के जरिए ऑक्सीजन के लिए गुहार लगा रहे थे।

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि ऑक्सीजन, दवाई, हॉस्पिटल बेड और वेंटिलेटर की भारी किल्लत के चलते हर ओर चित्कार, चीख-पुकार और मातम पसरा था। उन परिदृश्य के बारे सोचकर आज भी लोग सिहर उठते हैं। लेकिन संवेदनहीनता की सारी सीमाओं को लांघते हुए सरकार बहुत बड़ा अमानवीय झूठ बोल रही है कि ऑक्सीजन की कमी के चलते किसी की मौत नहीं हुई।

पूर्व कांग्रेस विधानसभा प्रत्याशी बॉबी मान के निधन पर शोक जताने के बाद करनाल में पत्रकारों को संबोधित करते हुए सांसद दीपेंद्र ने कहा कि सरकार बार-बार झूठ के गोले दागकर सत्य को मारना चाहती है। उसके ऐसे बयान पीड़ित परिवारों के घावों को कुरेदने का काम कर रहे हैं। अगर सरकार ने उस वक्त अपनी आंख बंद नहीं की होती तो उसे अस्पतालों और सड़कों पर रोते बिलखते लोग जरूर नजर आते। सरकार को दिखाई देता कि कैसे पानीपत में महिलाएं अपने परिजनों की जान बचाने के लिए डॉक्टर और सीएमओ के पैर पकड़कर रो रही थीं। सरकार को जरूर नजर आता कि कैसे गुरुग्राम के एक अस्पताल में मरीजों को वेंटिलेटर पर तड़पता छोड़कर हॉस्पिटल का पूरा स्टाफ वहां से भाग गया था। सरकार को रोहतक पीजीआई समेत अलग-अलग अस्पतालों के बाहर ऑक्सीजन की कमी के चलते और मरीज भर्ती नहीं करने के बोर्ड भी दिखाई पड़ते।

अगर सरकार मुंह फेरकर नहीं बैठती तो उसे सिर्फ ऑक्सीजन ही नहीं बल्कि रेमेडिसिविर, दवाई, वेंटिलेटर, हॉस्पिटल बेड, डॉक्टर समेत हर चीज की कमी नजर आती और उस कमी के चलते लोगों की मौतें भी दिखाई देती। लेकिन सरकार ना उस वक्त सच देखना चाहती थी और ना आज जनता को सच बताना चाहती है।

एक मशहूर कहावत है कि सोए हुए को तो जगाया जा सकता है लेकिन उसे जगाना मुश्किल है जो सोने का नाटक कर रहा है। बीजेपी-जेजेपी सरकार भी नाटक कर रही है। इसलिए उसे जनता की कोई समस्या दिखाई नहीं देती। ना उसे ऑक्सीजन की कमी से घुट-घुटकर मरते लोग दिखे, ना लगातार 9 महीने से सड़क पर बैठे किसानों का दर्द, ना देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी झेल रहे युवाओं की पीड़ा, ना बेकाबू अपराध और ना ही बढ़ता नशा। गठबंधन सरकार सिर्फ विज्ञापन और प्रचार कार्यक्रमों को ही सच मानकर चल रही है। उसे जमीनी सच्चाई से कोई सरोकार नहीं है। यही वजह है कि दो-दो दलों के सांझे वाली सरकार इतनी जल्दी लोगों की नजरों में गिर गई।

रोजाना घरों से निकलने वाले कूड़े-कचरे के निस्तारण में सैग्रीगेशन

करनाल : शहर में रोजाना घरों से निकलने वाले कूड़े-कचरे के निस्तारण में सैग्रीगेशन यानि अलग-अलग या गीले और सूखे का विशेष महत्व है। इसके लिए नगर निगम कई सालों से हाऊस-होल्ड को जागरूक करने में लगा है। विगत में निगम की ओर से सभी घरों में नीले व रहे रंग के डस्टबिन भी वितरित करवाए गए थे और कूड़ा-कचरा ढोने वाले साधनो में पार्टिशन पर जोर दिया गया था। इस उपायों से अच्छा-खासा असर हुआ, जो सोलिड वेस्ट प्लांट तथा लिगेसी वेस्ट के उपयुक्त निस्तारण तथा वेस्ट से उम्दा खाद बनाने में सहायक हुआ।

सैग्रीगेशन को ओर बेहतर बनाने के लिए अब नगर निगम आयुक्त डॉ. मनोज कुमार के निर्देश पर शहर के सेक्टर एरिया में प्राईवेट रिक्शा-रेहड़ी से कूड़ा उठाने वालों को मोटीवेट करने पर जोर दिया जा रहा है। परिणाम पुख्ता करने के लिए इसकी अनुपालना भी सुनिश्चित की जा रही है। इसी के तहत निगम के डीएमसी धीरज कुमार की ड्यूटी लगाई गई है, जिन्हें इस काम का नोडल बनाया गया है।

डीएमसी ने बुधवार को निगम के स्वच्छता अधिकारी महावीर सोढी, सफाई निरीक्षक व मोटीवेटर टीम को साथ लेकर सेक्टर-7 स्थित कम्यूनिटी सेंटर में रेहड़ी से कूड़ा ढोने वाले प्राईवेट व्यक्तियों को बुलाया और उन्हें रेहड़ी में गीले व सूखे कचरे के लिए अलग-अलग पार्ट बनाने की नसीहत दी। इस दौरान कई रेहडियों में ऐसी व्यवस्था नहीं दिखाई दी, ऐसे लोगों को डीएमसी ने समझाया और कहा कि गीले व सूखे कचरे के लिए अलग-अलग हिस्सों के साथ-साथ रेहड़ी के पीछे एक बैग भी लटकाया जाना चाहिए, जिसमें हानिकारक वेस्ट डाला जाए, ताकि उसका अलग से निस्तारण किया जा सके।

बता दें कि सेक्टर-7 कम्यूनिटी सेंटर के पीछे सेकेण्डरी डम्पिंग पॉयट बनाया गया है, जो चारदीवारी के अंदर है। प्राईवेट रिक्शा-रेहड़ी वालों को इसी में कूड़ा डालने के लिए कहा गया है। इस डम्पिंग पॉयट का मकसद यह है कि यहां एकत्रित किया गया गीला कचरा सोलिड वेस्ट में जाने की बजाय सीधा काछवा रोड स्थित स्लाटर हाऊस में बने वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में जाए। इसके लिए सभी जोन से प्रतिदिन कम से कम 15 टन वेस्ट पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्लांट में गीले कचरे से मिथेन गैस और उससे बिजली बनाई जा रही है। निगमायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि आई.ई.सी. के तहत मोटीवेटर घर-घर जाकर हाऊस-होल्ड को गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के लिए जागरूक कर रहे हैं। इसके लिए वार्ड 1, 2 व 3 कवर किए गए हैं, नतीजतन एल.आई.सी. कॉलोनी, अशोका नर्सरी और पावर हाऊस कॉलोनी से करीब 80 प्रतिशत कचरा अलग-अलग होकर निकलता है।

दूसरी ओर उप निगमायुक्त धीरज कुमार ने गुरूवार सुबह सेक्टर-7 स्थित कम्यूनिटी सेंटर के पीछे बनाए गए सेकेण्डरी डम्पिंग पॉयट का दौरा कर, यहां एकत्र किए जाने वाले कचरे का निरीक्षण किया। इस बीच कूड़ा-कचरा ला रहे प्राईवेट रिक्शा-रेहड़ी चालकों से डीएमसी ने संवाद किया और उनकी रेहडियों में पार्टिशन की व्यवस्था देखी। सबसे बेहतर व्यवस्था वाले 3 रेहड़ी चालकों को 1100 रूपये का नकद ईनाम देकर सम्मानित किया। उन्होंने ने बताया कि इस पॉयट पर एक सफाई निरीक्षक, मोटीवेटर तथा दो होमगार्ड जवानों की भी ड्यूटी भी लगाई गई है, जो इस बात की निगरानी करते हैं कि कोई भी रेहड़ी चालक कूड़े को बाहर न डालें, उपयुक्त जगह पर ही डाले।

इसके पश्चात डीएमसी ने रेलवे रोड स्थित राम लीला मैदान में गुरूवार प्रातः ही कूड़ा उठाने वाले ठेकेदार/एजेंसी के संसाधनों को इकठ्ठा करवा, उनमें सूखे और गीले कचरे के पार्टिशन चैक किए, जिनमें थोड़ी-बहुत कमी दिखाई दी, उन्हें मौके पर ही समझाकर व्यवस्था ठीक करने के लिए कहा गया।